सर्व शिक्षा अभियान–रूम टू रीड़ के सहयोग से संचालित Early Grade Literacy एवं बालिका शिक्षा कार्यक्रम की स्टेयरिंग कमेटी की बैठक का कार्यवृत

दिनांकः 27/01/2015 **स्थानः राज्य परियोजना कार्यालय सभागार**

दिनांक 27 जनवरी, 2015 को राज्य परियोजना कार्यालय, सर्व शिक्षा अभियान के सभागार में रूम टू रीड़ इण्डिया के सहयोग से संचालित गतिविधियों की प्रगति पर चर्चा व समीक्षा हेतु राज्य स्तर पर गठित **'स्टेयरिंग कमेटी'** की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची कार्यवृत के साथ संलग्न है। बैठक का मुख्य उद्देश्य रूम टू रीड़ इण्डिया के सहयोग से उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों में चलाये जा रहे कार्यक्रमों की प्रगति के साथ ही कार्यक्रम क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों पर चर्चा कर उनके समाधान हेतु निर्णय लेना था। बैठक की अध्यक्षता विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक/राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, श्री डी0 सेन्थिल पाण्डियन द्वारा की गई। बैठक की कार्यवाही निम्नवत् है–

1. बैठक के प्रारम्भ में सर्व शिक्षा अभियान के विशेषज्ञ पैडागॉजी द्वारा रूम टू रीड इण्डिया द्वारा उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों में संचालित एवं संचालित किये जा रहे लाईब्रेरी कार्यक्रम (Library Program), लिटरेसी कार्यक्रम (WRIP) व बालिका शिक्षा कार्यक्रम (GEP) के बारे में सदस्यों को अवगत कराया गया।
2. रूम टू रीड के कार्यक्रम डायरेक्टर श्री सौरभ बनर्जी द्वारा पी0पी0टी (Power point Presentation) द्वारा रूम टू रीड का परिचय विस्तारपूर्वक दिया गया। उनके द्वारा बताया गया कि –
   - संस्था द्वारा मुख्यतः दो कार्यकम क्रियान्वित किये जा रहे हैं –
     a. **लिट्रेसी** – लिट्रेसी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर बच्चों को स्वतन्त्र पाठक बनाना है।
     b. **बालिका शिक्षा कार्यक्रम** – बालिका शिक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आवश्यक जीवन कौशल प्रदान करना है जिससे वह अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय ले सकें।
   - बच्चों को स्वतन्त्र पाठक बनाने के लिए तीन पहलुओं पर कार्य किया जाता है–
     a. **पठन एवं लेखन शिक्षण कार्यक्रम** – इस कार्यक्रम के तहत बच्चों के भाषाई कौशलों का विकास किया जाता है जिससे बच्चे धारा प्रवाह और समझ के साथ पढ़ सकें।
     b. **स्कूल पुस्तकालय** – इस कार्यक्रम के तहत बच्चों में पढ़ने की आदत का विकास किया जाता है।
     c. **पुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम** – विद्यालयों में पढ़ने–लिखने के लिये समृद्ध माहौल बनाने में पुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग प्रदान किया जाता है।
   - रूम टू रीड द्वारा सर्व शिक्षा अभियान उतराखण्ड को निम्न बिन्दुओं पर सहयोग दिया जा रहा है–
     a. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
     b. Early Reading & Writing with Comprehension, MHRD के ***'पढ़े भारत बढ़े भारत'*** कार्यक्रम अनुसार।
     c. पुस्तकालय स्थापना तथा पढ़ने की आदत का विकास।
     d. बालिकाओं हेतु जीवन कौशल शिक्षा।
   - जनपद टिहरी के विकासखण्ड नरेन्द्रनगर व चम्बा में 15 नोडल लाईब्रेरी तथा जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड नारसन, लक्सर एवं बहादराबाद के 125 विद्यालयों में पुस्तकालय कार्यक्रम संचालित है।
   - जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड भगवानपुर के चार विद्यालयों में बालिका शिक्षा कार्यक्रम संचालित है। अकादमिक सत्र–2015–16 के अन्तर्गत कक्षा–6 में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

- संस्था द्वारा जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड बहादराबाद एंव रुड़की के 233 विद्यालयों में संचालित पठन एवं लेखन शिक्षण कार्यक्रम (Writing, Reading Instructional Program) में अपने लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए हैं तथा संस्था इन विद्यालयों को मार्च 2015 में विभाग को कार्यक्रम का हस्तान्तरण कर देगी। संस्था द्वारा सत्र 2015–16 में 100 नये विद्यालयों में लिट्रेसी कार्यक्रम संचालित किया जाना प्रस्तावित है।

3. प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा के दौरान शिक्षा महानिदेशक/राज्य परियोजना निदेशक डी0 सेन्थिल पाण्डियन द्वारा रूम टू रीड द्वारा किए जा रहे कार्यों, कक्षा शिक्षण तथा पुस्तकालय वादन से सम्बन्धित वीडियो की सराहना की गई। उनके द्वारा सुझाव दिया गया कि राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालयों में इसी प्रकार से कक्षा शिक्षण तथा पुस्तकालय वादन का प्रयोग अधिगम हेतु किया जाना चाहिए, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में शिक्षा महानिदेशक/राज्य परियोजना निदेशक महोदय द्वारा रूम टू रीड से निम्न बिन्दुओं पर विभाग को सहयोग करने पर चर्चा की गई–
   - रूम टू रीड संस्था से सरकार को अधिक से अधिक तकनीकी सहयोगकी अपेक्षा है।
   - रूम टू रीड संस्था को राज्य में कार्य करते हुए दस वर्ष पूर्ण हो गए हैं अतः संस्था को अब अगले स्तर पर विस्तार हेतु (Scale up) सोचना चाहिए।
   - रूम टू रीड से आग्रह किया गया कि 30 जनवरी को जिला शिक्षा अधिकारियों एवं डॉयट प्राचार्यों हेतु तय अभिमुखीकरण कार्यशाला में अपने कार्यक्रम, भाषा शिक्षण, पुस्तकालय वादन से सम्बन्धित प्रस्तुतीकरण (Demonstration) प्रस्तुत करें।
   - बालिका शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत रूम टू रीड संस्था को के0जी0बी0वी0 की छात्राओं को भी जीवन कौशल पर प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए।
   - रूम टू रीड संस्था Early Literacy and Girls Education Program के सम्बन्ध में विभाग को वार्षिक कार्य योजना बनाने में सहयोग प्रदान करे।
   - सी0आर0सी0 एवं बी0आर0सी0 स्तरीय प्रशिक्षण में रूम टू रीड से Early Grade Literacy Program पर सत्र लेने की अपेक्षा की गई।
   - Early Grade Literacy "पढ़े भारत बढ़े भारत" के अन्तर्गत एक विज्निंग वर्कशॉप आयोजित की जाए जिसमें सभी 13 डॉयट के प्रतिनिधि एवं पैडागाजी विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया जाय।
   - जनपद स्तर पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी भी कार्यक्रम की समीक्षा करेंगे।
   - शिक्षा में कार्यरत सभी डोनर ऐजेन्सीज़ (Partner NGOs) के साथ शिक्षा में गुणवत्ता सुधार हेतु एक बैठक दिनांक 11 फरवरी, 2015 को करने का निर्णय लिया गया।

4. अपर राज्य परियोजना निदेशक, एस0एस0ए0, डा0 कुसुम पन्त ने रूम टू रीड संस्था को निम्न बिन्दुओं पर विभाग को सहयोग प्रदान करने के लिए कहा–
   - भाषा शिक्षण एवं पुस्तकालय कालांश हेतु विद्यालयों को सरलीकृत भाषा में दिशानिर्देश उपलब्ध करवाये जायें ताकि शिक्षक इनका प्रयोग भाषा शिक्षण एवं पुस्तकालय संचालन में सक्षमता के साथ कर सकें।
   - रूम टू रीड संस्था द्वारा कक्षा शिक्षण एवं पुस्तकालय अवलोकन के बिन्दुओं की सूची उपलब्ध करवायी जाए ताकि बी0आर0पी0/सी0आर0पी0 विद्यालय अनुश्रवण के दौरान उन बिन्दुओं के आधार पर कक्षा शिक्षण तथा पुस्तकालय वादन का अवलोकन कर सकें एवं शिक्षकों को उचित सहयोग दे सकें।
   - रूम टू रीड संस्था द्वारा भाषा कक्षा शिक्षण से सम्बन्धित जो वीडियो तैयार की गई हैं, उन्हें SSA की वेबसाईट पर उपलब्ध (upload) करवाया जाए ताकि इच्छुक शिक्षक इससे लाभ ले सकें।

- रूम टू रीड संस्था द्वारा डॉयट के प्रतिनिधियों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे अपने–अपने डॉयट में नव प्रशिक्षुकों का इस कार्यक्रम के बारे में अभिमुखीकृत कर सकें।

5. रूम टू रीड संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि संस्था सत्र 2015–16 में जनपद देहरादून के 100 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में लाईब्रेरी कार्यक्रम (Library Program) एवं लिटरेसी कार्यक्रम (WRIP) का विस्तार करेगी। इस सम्बन्ध में शिक्षा महानिदेशक/राज्य परियोजना निदेशक का सुझाव दिया गया कि जिन जनपदों में रूम टू रीड द्वारा अभी तक कार्य नहीं किया गया है, संस्था को उन जनपदों में भी कार्य करना चाहिए।
6. रूम टू रीड संस्था द्वारा एक समय में विभिन्न जनपदों में कार्य करने पर Overhead Cost बढ़ने के कारण अपनी असमर्थता व्यक्त की गई। इस सन्दर्भ में राज्य परियोजना निदेशक, एस0एस0ए0 द्वारा रूम टू रीड संस्था को लिखित विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा गया जिसमें संस्था द्वारा यह स्पष्ट किया जाए कि विभिन्न जनपदों में कार्य विस्तार करने में किस प्रकार की दिक्कतें आयेंगी एवं अपने मानकों के अनुसार वह कौन से जनपदों में कार्य विस्तार करना चाहते हैं।

अन्त में बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

(डा0 कुसुम पन्त)
अपर राज्य परियोजना निदेशक,
सर्व शिक्षा अभियान, उत्तराखण्ड, देहरादून।

पृ0सं0:– अ0रा0प0नि0/2166 /पैडागॉजी (5-RtR)/2014–15 दिनांकः 19 फरवरी, 2015.

प्रतिलिपिः–

1. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा/राज्य परियोजना निदेशक, महोदय के अवलोकनार्थ।
2. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून को सूचनार्थ।
3. प्राचार्य, डायट रूड़की, जनपद हरिद्वार एवं डायट टिहरी, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
4. जिला परियोजना अधिकारी, एस0एस0ए0, जनपद हरिद्वार एवं टिहरी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
5. राज्य प्रबन्धक, रूम टू रीड, 12/26 आर्शीवाद इन्क्लेव, इन्दिरानगर, न्यू फॉरेस्ट, बसन्त बिहार, देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
6. खण्ड शिक्षाधिकारी, विकासखण्ड–रूड़की, नारसन, बाहदराबाद एवं भगवानपुर जनपद हरिद्वार को सूचनार्थ।

18.2.15

(डा0 कुसुम पन्त)
अपर राज्य परियोजना निदेशक,
सर्व शिक्षा अभियान, उत्तराखण्ड, देहरादून।

01c

सर्व शिक्षा अभियान–रूम टू रीड़ के सहयोग से संचालित Early Grade Literacy एवं बालिका शिक्षा कार्यक्रम स्टेयरिंग कमेटी की बैठक दिनांक 27 जनवरी, 2015 में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों की सूची –

1. डा0 कुसुम पन्त, अपर राज्य परियोजना निदेशक, एस0एस0ए0।
2. श्रीमती शशि चौधरी, प्राचार्य, डॉयट रूड़की, जनपद हरिद्वार।
3. श्री मेहरबान सिंह बिष्ट, विशेषज्ञ पैडागॉजी, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0।
4. श्रीमती कमला बड़वाल, विशेषज्ञ बालिका शिक्षा, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0।
5. श्री जे0एम0 सोनी, जिला शिक्षाधिकारी बेसिक/जिला परियोजना अधिकारी, जनपद हरिद्वार।
6. श्री नरेश शर्मा, खण्ड शिक्षाधिकारी भगवानपुर, जनपद हरिद्वार।
7. श्री कुशला प्रसाद, खण्ड शिक्षाधिकारी बाहदराबाद, जनपद हरिद्वार।
8. श्री दिनेश चन्द्र डिमरी, खण्ड शिक्षाधिकारी नारसन, जनपद हरिद्वार।
9. श्री सौरभ बनर्जी, रूम टू रीड इण्डिया, लिट्रेसी कार्यक्रम डायरेक्टर।
10. श्री अरूण सिंह बिष्ट, समन्वयक पैडागॉजी, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0।
11. श्री भगवती प्रसाद मैन्दोली, समन्वयक पैडागॉजी, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0।
12. सुश्री हेमलता तिवारी, प्रवकता, एस0सी0ई.आर0टी0, उत्तराखण्ड देहरादून।
13. सुश्री पुष्पलता रावत, वरिष्ठ प्रोग्राम ऑफिसर, रूम टू रीड इण्डिया, उत्तराखण्ड देहरादून।
14. सुश्री सोनल, वरिष्ठ प्रोग्राम ऑफिसर, रूम टू रीड इण्डिया, उत्तराखण्ड देहरादून।
15. श्री साकिब हसन, प्रोग्राम ऑफिसर, रूम टू रीड इण्डिया, हरिद्वार देहरादून।
16. सुश्री पूजा तलवार, सहायक प्रोग्रामर, रूम टू रीड इण्डिया, हरिद्वार उत्तराखण्ड ।
17. श्री सहदेव पुन्डीर, सहायक प्रोग्रामर, रूम टू रीड इण्डिया, हरिद्वार देहरादून।